13, 14 & 15-03-2024

DT

कानपुर न्यूज | दीनार टाइम्स | कानपुर, बुधवार, 13 मार्च 2024 | 25

कम लागत में अधिक उत्पादन वाली गन्ना प्रजातियों का उपयोग करें

डीटीएनएन ।

राष्ट्रीय शर्करा संस्थान, कानपुर में 11 से 15 मार्च तक के प्रशिक्षण हेतु बिहार के पूर्वी चंपारण, पश्चिमी चंपारण एवं गोपालगंज जिले से प्रगतिशील गन्ना किसानों का एक 35 सदस्यीय दल मुख्यमंत्री गन्ना विकास योजना कार्यक्रम के अंतर्गत अंतरर्राज्यीय एक्सपोजर विजिट सह-प्रशिक्षण कार्यक्रम में संस्थान आया हुआ है। कार्यक्रम के शुभारंभ में संस्थान के निदेशक, प्रो. डी. स्वाईन ने कम लागत में अधिक उत्पादन वाली गन्ने की प्रजातियों के उपयोग पर जोर देते हुये कई उन्नत गन्ने की प्रजातियों के बारे में जानकारी दी।

इस अवसर पर प्रो. (डॉ.) सीमा परोहा, आचार्य जैव रसायन ने गन्ने से बायोईथेनाल उत्पादन में किसानों के उल्लेखनीय योगदान पर विस्तार से चर्चा की। डॉ. अशोक कुमार, सहायक आचार्य (कृषि रसायन) ने गन्ना उत्पादन में मृदा परीक्षण एवं पोटाश के योगदान संबंधी बहुमूल्य जानकारी दी। बिहार से आये किसान सचिन सिंह ने कम क्षेत्रफल और कम लागत से अधिक गन्ना के बारे में किये गये प्रयोग के संबंध में जानकारी दी। उत्पादन किसान दल के प्रतिनिधि विनय कुमार, ईख विकास, मोतीहारी, बिहार ने इस अवसर पर संस्थान के निदेशक, अधिकारियों एवं कृषक दल को धन्यवाद ज्ञापित किया।

स्वतंत्र चेतना

तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का हुआ शुभारंभ

चेतना समाचार सेवा

कानपुर। राष्ट्रीय शर्करा संस्थान एवं केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के संयुक्त तत्वावधान में चीनी मिलों और आसवनी इकाइयों में प्रदूषण नियंत्रण के लिये मौजूद उपयोगी और उपलब्ध सर्वोत्तम तकनीकें विषय पर आयोजित तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एस.के. मित्रा ने दीप प्रज्जवलन व मां शारदा को माल्यार्पण कर किया।कार्यक्रम की समन्वयक एवं जैव रसायन विभाग प्रमुख प्रो. (डॉ.) सीमा परोहा, आचार्य जैव रसायन ने प्रशिक्षण हेतु देश के विभिन्न प्रांतों से आये वरिष्ठ वैज्ञानिकों, सुप्रसिद्ध पर्यावरणवेत्ताओं एवं व्याख्यानदाताओं का स्वागत करते हुये प्रशिक्षण कार्यक्रम के मूल विषय वस्तु (थीम) पर विस्तार से प्रकाश डाला। उद्घाटन

सत्र को संबोधित करते हुये संस्थान के निदेशक, प्रो. डी. स्वाईन ने कहा कि यह प्रशिक्षणकार्यक्रम विशेष रूप से पर्यावरणीय संरक्षण को ध्यान में रखते हुये तैयार किया गया है। साथ ही वर्तमान परिदृश्य में शर्करा एवं इथेनाल के उत्पादन में आने वाली चुनौतियों के संबंध में चर्चा करते हुये उन्होंने विभिन्न इकाइयों में आपरेशन के दौरान उत्पन्न होने वाले विविध प्रदूषकों पर नियंत्रण एवं शमन हेतु उपलब्ध आधुनिक तकनीकों के बारे में से विस्तार से अवगत करवाया तथा प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के वैज्ञानिकों और अधिकारियों से आहवान किया कि वे उपलब्ध आधुनिक तकनीकों के इस्तेमाल हेतु मिलों और आसवनियों को जागरूक करें ।

Title-code: UPHIN-48963
E-mail: jksingh.hardoi@gmail.com

सत्य का असर

समाचार पत्र

Thursday, 14-03-2024

पत्रकार जितेंद्र सिंह पटेल 9956 8340 16

राष्ट्रीय शर्करा संस्थान में दूसरे दिन प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के लिए सर्वोच्च उपयोगी तकनीकी विषय पर आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम

एनएसआई में चीनी मिलों और आसवानी इकाइयों में प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के लिए सर्वोच्च उपयोगी और उपलब्ध तकनीकी विषय पर आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम

पत्रकार जितेंद्र सिंह पटेल

कानपुर राष्ट्रीप शर्करा संस्थान एवं केंद्रीय नियन्त्रण बोर्ड नई दिल्ली के सयुक्त तत्वाधान में चीनी मिलो और आसवनी इकाइयों में प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के लिए सर्वोच्चय उपयोगी और उपलब्ध तकनी विषय पर आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम के दूसरे दिन कार्यक्रम की समन्वय व जैव रसायन अनुभाग प्रमुख प्रो डॉ सीमा परोहा आचार्य जैव रसायन ने अवगत कराया। कि देश के विभिन्न प्रांतों के प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड से आए वरिष्ठ वैज्ञानिको एवं पर्यावरण वेंटाओ के आधुनिकतम तकनीको से युक्त.डी. सी. एम. श्रीराम हरियावा हरदोई के चीनी और आसवनी इकाई का दौरा किया इकाइयों के भ्रमण के दौरान चीनी एवम असवानी इकाइयों के अपशिष्ट उपचार संयंत्र के संचालन के बारे में विस्तृत जानकारी प्राप्त की साथ ही इकाई के प्रमुख श्री प्रदीप त्यागी एवं उनके सहयोगी श्री नवीन बंसल श्री आलोक मिश्र व पुनीत यादव आदि ने चीनी व एथनाल उत्पादन में उनके द्वारा अपनाई गई विभिन्न नई तकनीक के बारे में अपनाई गई विभिन्न नई तकनीको के बारे में भ्रमण दल को विस्तार से सारपरक जानकारी दी। अखिलेश कुमार पांडे मुख्य अभिकल्पक।

,,,,,,,,

शर्करा एवं इथेनाल के उत्पादन में आने वाली चुनौतियों से पार पाना होगा

डीटीएन | कानपुर

राष्ट्रीय शर्करा संस्थान, कानपुर एवं केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के संयुक्त तत्वावधान में राष्ट्रीय शर्करा संस्थान, कानपुर में 12 से 14 मार्च तक चीनी मिलों और आसवनी इकाइयों में प्रदूषण नियंत्रण के लिये मौजूद उपयोगी और उपलब्ध सर्वोत्तम तकनीकें विषय पर आयोजित तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एवं संस्थान के पूर्व निदेशक, एस.के. मिश्रा ने दीप प्रज्जवलन व मां शारदा को माल्यार्पण कर किया।

कार्यक्रम की समन्वयक एवं जैव रसायन विभाग प्रमुख प्रो. (डॉ.) सीमा परोहा, आचार्य जैव रसायन ने प्रशिक्षण हेतु देश के विभिन्न प्रांतों से आये वरिष्ठ वैज्ञानिकों, सुप्रसिद्ध पर्यावरणवेत्ताओं एवं व्याख्यानदाताओं का स्वागत करते हुये प्रशिक्षण कार्यक्रम के मूल विषय वस्तु (थीम) पर विस्तार से प्रकाश डाला।

उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुये संस्थान के निदेशक, प्रो. डी. स्वाईन ने कहा कि यह प्रशिक्षण कार्यक्रम विशेष रूप से पर्यावरणीय संरक्षण को ध्यान में रखते हुये तैयार किया गया है। साथ ही वर्तमान परिदृश्य में शर्करा एवं इथेनाल के उत्पादन में आने वाली चुनौतियों के संबंध में चर्चा करते हुये उन्होंने विभिन्न इकाइयों में आपरेशन के दौरान उत्पन्न होने वाले विविध प्रदूषकों पर नियंत्रण एवं शमन हेतु उपलब्ध आधुनिक तकनीकों के बारे में से विस्तार से अवगत करवाया तथा प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के वैज्ञानिकों और अधिकारियों से आहवान किया कि वे उपलब्ध आधुनिक तकनीकों के इस्तेमाल हेतु मिलों और आसवनियों को जागरुक करें, जिससे जीवनदायी वायु, जल और प्रकृति के अन्य घटकों की रक्षा की जा सके।

संस्थान के वरिष्ठ सहायक आचार्य शर्करा शिल्प, शैलेन्द्र कुमार त्रिवेदी ने अपने उद्बोधन में प्लांटेशन व्हाइट शुगर एवं रिफाईंड शुगर उत्पादन प्रक्रिया के बारे में विस्तार से जानकारी दी। संस्थान के सहायक आचार्य शर्करा अभियांत्रिकी, अनूप कुमार कनौजिया ने चीनी मिलों के लिये केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा जारी नवीनतम चार्टर 2.0 पर प्रकाश डालते हुये राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के दायित्वों की चर्चा की। महेन्द्र कुमार यादव, कनिष्ठ तकनीकी अधिकारी ने चीनी मिलों में अपशिष्ट प्रबंधन की नवीनतम तकनीकों को अपनाये जाने पर जोर देते हुये कहा कि समय की मांग है कि चीनी मिलों को अपनी वर्तमान कार्यप्रणाली में आमूल-चूल परिवर्तन किया जाना नितांत आवश्यक है। अपने व्याख्यान में विवेक प्रताप सिंह, कनिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी ने इफ्लुयेंट ट्रीटमेंट प्लांट के विभिन्न उपकरणों की क्षमताओं, उसकी कार्यप्रणाली और चीनी मिलों के आपरेशन पर सारगर्भित जानकारी दी। प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लेने के लिये देश के विभिन्न प्रांतों से आये वरिष्ठ वैज्ञानिकों, सुप्रसिद्ध पर्यावरणवेत्ताओं एवं कार्यक्रम को सफल बनाने में अहम भूमिका निभाने वाले संस्थान के विषय विशेष विशेषज्ञ व्याख्यानदाताओं एवं कार्यक्रम से जुड़े हर सदस्य को डॉ. अनंत लक्ष्मी रंगनायन, सहायक आचार्य जैव रसायन ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

तुलसी हॉस्पिटल्स इंडिया ली०
14/116 ए सिविल लाइन्स , कानपुर 208001
9598060511-512-513
एन०ए०बी०एच० द्वारा मान्यता प्राप्त

वार्ड , रूम , एच० डी० यू० , आई० सी० यू० , फैसिलिटीज

उपलब्ध सुविधाएं

जनरल मेडिसिन
सभी प्रकार की दूरबीन द्वारा सर्जरी
स्त्री रोग
हड्डी रोग
बाल रोग
छाती एवं छय रोग
पेट एवं लीवर रोग
मूत्र रोग
मष्तिष्क रोग
नाक , कान , गला रोग
आँखों का रोग
त्वचा रोग
दन्त रोग

24 घंटे उपलब्ध सुविधाएं

आई० सी० यू०
एक्स- रे
डायलिसिस
एन० आई० सी० यू०
ओ० टी०
ट्रामा
एच० डी० यू०
पैथोलॉजी
फार्मेसी
अल्ट्रासाउंड
बर्न यूनिट
मेडिको -लीगल

ब्लड बैंक एवं कॉम्पोनेन्ट की सुविधा उपलब्ध
संपर्क करें : 9598060511-512

अब इ०एस०आई०सी० द्वारा मान्यता प्राप्त

दैनिक निष्पक्ष पोस्ट

रचीनी मिलों और आसवनी इकाइयों में प्रदूषण नियंत्रण

निष्पक्ष पोस्ट ब्यूरो।

कानपुर। उ.प्र। राष्ट्रीय शर्करा संस्थान, कानपुर एवं केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, नई दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में "चीनी मिलों और आसवनी इकाइयों में प्रदूषण नियंत्रण के लिये सर्वोत्तम उपयोगी और उपलब्ध तकनीकें" विषय पर आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम के दूसरे दिन कार्यक्रम की समन्वयक व जैव रसायन अनुभाग प्रमुख, प्रो. (डॉ.) सीमा परोहा, आचार्य जैव रसायन ने अवगत कराया कि देश के विभिन्न प्रांतों के प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड से आये वरिष्ठ वैज्ञानिकों एवं पर्यावरणवेत्ताओं ने आधुनिकतम तकनीकों से युक्त मे. डी.सी.एम. श्रीराम, हरियावां, हरदोई के चीनी और आसवनी इकाई का दौरा किया।

इकाइयों के भ्रमण के दौरान चीनी एवं आसवनी इकाइयों के अपशिष्ट उपचार संयंत्र के संचालन के बारे में विस्तृत जानकारी प्राप्त की। साथ ही इकाई के प्रमुख श्री प्रदीप त्यागी एवं उनके सहयोगी श्री नवीन वंसल, श्री आलोक मिश्र व श्री पुनीत यादव आदि ने चीनी व एथेनाल उत्पादन में उनके द्वारा अपनायी गयी विभिन्न नई तकनीकों के बारे में भ्रमण दल को विस्तार से एवं सारपरक जानकारी दी साथ ही अखिलेश कुमार पाण्डेय मुख्य अभिकल्पक मौजूद रहे ट्रेनिंग निदेशक डा. डी. स्वाईन की दिशा निर्देश मे चल रही है

दैनिक आज

चीनी व आसवानी इकाइयों का भ्रमण, जानकारियां लीं

भ्रमण दल में शामिल तकनीकि कर्मचारी।

कानपुर, 13 मार्च। राष्ट्रीय शर्करा संस्थान एवं केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड नई दिल्ली के संयुक्त तत्वाधान में चीनी मिलों और आसवनी इकाइयो में प्रदूषण नियंत्रण के लिए सर्वोत्तम उपयोगी और उलब्ध तकनीके विषय पर आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम के दूसरे दिन कार्यक्रम की समन्वयक व जैव रसायन अनुभाग प्रमुख व डा. सीमा परोहा ने बताया कि देश के विभिन्न प्रांतों के प्रदूषण बोर्ड से आये वरिष्ठ वैज्ञानिकों एवं पर्यावरणनेताओं ने आधुनिक तकनीकों से युक्त में डी.सी.एम. श्रीराम, हरियांवा, हरदोई के चीनी और आसवानी इकाई का दौरा किया। इकाइयों के भ्रमण के दौरान चीनी एवं आसवानी इकाइयों के अपशिष्ट उपचार संयंत्र के बारे में विस्तार से जानकारियां प्राप्त की। इकाई के प्रमुख प्रदीप त्यागी, नवीन बसंल, आलोक मिश्र, पुनीत यादव आदि ने चीनी व एथेनाल उत्पादन में उनके द्वारा अपनायी गई विभिन्न नई तकनीकों के ब रे में भ्रमण दल को विस्तार से जानकारी दी।

अमन यात्रा

राष्ट्रीय शर्करा संस्थान में प्रदूषण नियंत्रण की नवीन तकनीकी पर प्रशिक्षण आयोजित

सुशील त्रिवेदी

कानपुर देहात। राष्ट्रीय शर्करा संस्थान, कानपुर एवं केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, नई दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में चीनी मिलो और आसवनी इकाइयो में प्रदूषण नियंत्रण के लिये सर्वोत्तम उपयोगी और उपलब्ध तकनीकें विषय पर समूचे भारतवर्ष के केन्द्रीय व राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड में कार्यरत वरिष्ठ वैज्ञानिको व पर्यावरणवेत्ताओ के प्रशिक्षण के लिये गत तीन दिवस से चल रहे शैक्षणिक कार्यक्रम के समापन दिवस में बोलते हुये कार्यक्रम की समन्वयक व जैव रसायन अनुभाग प्रमुख, प्रो.(डॉ.) सीमा परोहा, आचार्य जैव रसायन ने आसवनियो में प्रदूषण नियंत्रण हेतु अपनाये जा सकने वाले नवीनतम उपायो की जानकारी दी। प्रो.परोहा ने कहा कि हवा, पानी और प्रकाश हमको प्रकृति से मिले अनुपम और नि:शुल्क उपहार है। इन पर सभी का समान अधिकार है, साथ ही इनके पर्यावरणीय संरक्षण की हम सबकी जिम्मेदारी है। अगर हम अपने कर्तव्य से मुंह मोड़ेंगे तो प्राकृतिक आपदाओ यथा-भूकंप, अतिवृष्टि, अनावृष्टि, ओला, पाला आदि के रूप में हमको बहुत भयंकर सजा मिलेगी। अतएव हम सबको अपने दायित्व से मुंह नहीं मोड़ना चाहिये। केन्द्रीय या राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड जैसी नियंत्रक कार्यकारी संस्थाओ को तब तक सफलता नहीं मिल सकती, जब तक हम सबको अपने दायित्वो का बोध नहीं होगा।

संस्थान के सहायक आचार्य शर्करा अभियांत्रिकी, श्री संजय चौहान ने चीनी मिलो व आसवनियो में सैंटवाश ट्रीटमेंट तकनीक के बारे में सार्थक वक्तव्य दिया।

सत्र के तीसरे व्याख्यान में श्री विनय कुमार, सहायक आचार्य शर्करा अभियांत्रिकी ने बिना किसी अतिरिक्त प्रदूषण वृद्धि के बी-हैवी मोलासेस से इथेनाल उत्पादन की विधि पर वृहद चर्चा की।

डॉ. अनंत लक्ष्मी रंगनाथन, सहायक आचार्य जैव रसायन ने प्रेस बेस्ड आधुनिक असवनी इकाइयो की कार्यप्रणाली पर जानकारी देते हुये आरेशन प्रक्रिया में जल संतुलन एवं शून्य द्रव उत्प्रवाह प्रणाली पर वार्ता की।

समापन दिवस के आखिरी वक्ता डॉ. सुधांशु मोहन, कनिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी (भौतिक रसायनज्ञ) ने अपने सारगर्भित उद्बोधन में उत्प्रवाह में निकले दूषित जल में न केवल COD, BOD, pH, TSS, TDS तेल व ग्रीस आदि विभिन्न कारको के निर्धारण की प्रक्रिया पर चर्चा की अपितु निर्धारण की विविध विधियों का प्रैक्टिकल भी कराया।

वेलेडिक्टरी सेशन (विदाई सत्र) में प्रतिभागियो को प्रमाणपत्र वितरित करते हुये संस्थान के निदेशक, प्रो.डी. स्वाईन ने कहा कि संस्थान द्वारा कराए जाने वाले इस प्रकार के शैक्षणिक आयोजनो से न केवल चीनी मिलें लाभान्वित होंगी अपितु समस्त संबद्ध शर्करा जगत में प्रदूषण नियंत्रण में उल्लेखनीय सफलता मिलेगी।

प्रो.(डॉ.) सीमा परोहा, प्रशिक्षण कार्यक्रम की समन्वयक ने प्रतिभागियो को धन्यवाद ज्ञापित करते हुये कहा कि राष्ट्रीय शर्करा संस्थान, कानपुर भविष्य में भी इस प्रकार के उपयोगी कार्यक्रमो के यथासमय आयोजनो हेतु संकल्पबद्ध है।

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

डेली न्यूज़ ऐक्टिविस्ट

चीनी मिलों और आसवानी इकाइयों में प्रदूषण नियंत्रण की रोकथाम के लिए कार्यशाला का समापन

कानपुर(डीएनएन)। राष्ट्रीय शर्करा संस्थान, कानपुर एवं केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड,नई दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में चीनी मिलों और आसवनी इकाइयों में प्रदूषण नियंत्रण के लिये सर्वोत्तम उपयोगी और उपलब्ध तकनीकें विषय पर समूचे भारतवर्ष के केन्द्रीय व राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड में कार्यरत वरिष्ठ वैज्ञानिकों व पर्यावरणवेत्ताओं के प्रशिक्षण के लिये गत तीन दिवस से चल रहे शैक्षणिक कार्यक्रम के समापन दिवस में बोलते हुये कार्यक्रम की समन्वयक व जैव रसायन अनुभाग प्रमुखए प्रो॰;डॉ॰द्ध सीमा परोहाए आचार्य जैव रसायन ने आसवनियों में प्रदूषण नियंत्रण हेतु अपनाये जा सकने वाले नवीनतम उपायों की जानकारी दी। प्रो॰परोहा ने कहा कि हवाए पानी और प्रकाश हमको प्रकृति से मिले अनुपम और निःशुल्क उपहार हैं। इन पर सभी का समान अधिकारी हैए साथ ही इनके पर्यावरणीय संरक्षण की हम सबकी जिम्मेदारी है। अगर हम अपने कर्तव्य से मुंह मोड़ेंगे तो प्राकृतिक आपदाओं यथा.भूकंपए अतिवृष्टिए अनावृष्टिए ओलाए पाला आदि के रूप में हमको बहुत भयंकर सजा मिलेगी। अतएव हम सबको अपने दायित्व से मुंह नहीं मोड़ना चाहिये। केन्द्रीय या राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड जैसी नियंत्रक कार्यकारी संस्थाओं को तब तक सफलता नहीं मिल सकतीए जब तक हम सबको अपने दायित्वों का बोध नहीं होगा। संस्थान के सहायक आचार्य शर्करा अभियांत्रिकीए श्री संजय चौहान ने चीनी मिलों व आसवनियों में स्पेंटवाश ट्रीटमेंट तकनीक के बारे में सार्थक वक्तव्य दिया। सत्र के तीसरे व्याख्यान में श्री विनय कुमारए सहायक आचार्य शर्करा अभियांत्रिकी ने बिना किसी अतिरिक्त प्रदूषण वृद्धि के बी.हैवी मोलासेस से इथेनाल उत्पादन की विधि पर वृहद चर्चा की। डॉ॰ अनंत लक्ष्मी रंगनाथनए सहायक आचार्य जैव रसायन ने ग्रेन बेन्ड आधुनिक आसवनी इकाइयों की कार्यप्रणाली पर जानकारी देते हुये आपरेशन प्रक्रिया में जल संतुलन एवं शून्य द्रव उत्प्रवाह प्रणाली पर वार्ता की। समापन दिवस के आखिरी वक्ता डॉ0 सुधांशु मोहन, कनिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी भौतिक रसायनज्ञ ने अपने सारगर्भित उद्बोधन में उत्प्रवाह में निकले दूषित जल में न केवल तेल व ग्रीस आदि विभिन्न कारकों के निर्धारण की प्रक्रिया पर चर्चा की अपितु निर्धारण की विविध विधियों का प्रैक्टिकल भी करवाया। वेलीडेक्टरी सेशन ;विदाई सत्रद्ध में प्रतिभागियों को प्रमाणपत्र वितरित करते हुये संस्थान के निदेशक, प्रो॰डी स्वाईन ने कहा कि संस्थान द्वारा कराए जाने वाले इस प्रकार के शैक्षणिक आयोजनों से न केवल चीनी मिलें लाभान्वित होंगी अपितु समस्त संब शर्करा जगत में प्रदूषण नियंत्रण में उल्लेखनीय सफलता मिलेगी। प्रो डॉ सीमा परोहा, प्रशिक्षण कार्यक्रम की समन्वयक ने प्रतिभागियों को धन्यवाद ज्ञापित करते हुये कहा कि राष्ट्रीय शर्करा संस्थान, कानपुर भविष्य में भी इस प्रकार के उपयोगी कार्यक्रमों के यथासमय आयोजनों हेतु संकल्पबद्ध है।

लखनऊ 15-03-2024

http://www.dailynewsactivist.com

डेली न्यूज़ ऐक्टिविस्ट

अमृत विचार

प्रदूषण दूर करने को जागरुकता जरूरी

कानपुर। इकाइयों का प्रदूषण रोकने के लिए सभी को एकजुट होना होगा। यह बात मंगलवार को राष्ट्रीय शर्करा संस्थान में प्रशिक्षण शिविर में विशेषज्ञों ने कही।

संस्थान और केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के प्रशिक्षण में चीनी मिलों और आसवनी इकाइयों में प्रदूषण नियंत्रण के लिये उपकरणों के बारे में जानकारी दी गई। 'उपयोगी और उपलब्ध सर्वोतम तकनीक' पर प्रशिक्षण कार्यक्रम की शुरुआत मुख्य संस्थान के पूर्व निदेशक एसके मित्रा व मौजूदा निदेशक प्रो डी स्वाईन ने की। प्रो. डॉ. सीमा परोहा, सहायक आचार्य शैलेन्द्र कुमार त्रिवेदी, अनूप कुमार कनौजिया, महेन्द्र कुमार यादवख, विवेक प्रताप सिंह, डॉ. अनंत लक्ष्मी रंगनाथन ने विचार रखे।

Title-code: UPHIN-48963 E-mail: jksingh.hardoi@gmail.com

सत्य का असर
समाचार पत्र

15,03,2024 jksingh.hardoi@gmail.com मोबाइल नंबर 9956834016

कानपुर वरिष्ठ पत्रकार जितेंद्र सिंह पटेल

कानपुर राष्ट्रीय शर्करा संस्थान एवं केंद्रीय नियंत्रण बोर्ड के संयुक्त तत्वावधान में चीनी मिलों और आसवानी इकाइयों में प्रदूषण नियंत्रण विषय पर आयोजित तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन

पत्रकार जितेंद्र सिंह पटेल

राष्ट्रीय शर्करा सस्थान, कानपुर एवं केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, नई दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में 'चीनी मिलों और काइयों में प्रदूषण नियंत्रण के लिये सर्वोत्तम उपयोगी और उपलब्ध तकनीके विषय पर समूचे भारतवर्ष के केन्द्रीय नियंत्रण बोर्ड में कार्यरत वरिष्ठ वैज्ञानिकों व पर्यावरणवेत्ताओं के प्रशिक्षण के लिये गत तीन दिवस से चल दिवस में बोलते हुये कार्यक्रम की समन्वयक व जैव रसायन अनुभाग प्रमुख, प्रो. (डॉ.) राज्य रहे शैक्षणिक कार्यक्रम के सीमा परोहा, आचार्य जैव रसायन ने थों में प्रदूषण नियंत्रण हेतु अपनाये जा सकने वाले नवीनतम उपायों की जानकारी दी। प्रो. परोहा ने कहा पको प्रकृति से मिले अनुपम और निः बकी जिम्मेदारी है। अगर हम शुल्क उपहार हैं। इन पर सभी का समान अधिकारी है, साथ अपने कर्तव्य से मुंह मोड़ेंगे तो प्राकृतिक आपदाओं यथा-भूकंप, कि हवा, पानी और ही इनके पर्यावरणीय संरक्षण अतिवृष्टि, अनावृष्टि, ओला, पाला रूप में हमको बहुत भयंकर सजा मिलेगी। अतएव हम सबको अपने दायित्व से मुंह नहीं मोड़ना चाहिये। केन्द्रीय या राज्य प्रदूषण बई जैशी नियंत्रक कार्यकारी सस्थाओं को तब तक सफलता नहीं मिल सकती, जब तक हम सबको अपने दायित्वों का बोध नहीं संस्थान के सहायक आचार्य शर्करा अभियांत्रिकी, श्री संजय चौहान ने चीनी मिलों व आसवनियों में स्पेटवारा ट्रीटमेंट तकनीक के एक वरूथ्य दिया। सत्र के तीसरे व्याख्यान में श्री विनय कुमार, सहायक आचार्य शर्करा अभियांत्रिकी ने बिना किसी अतिरिक्त प्रदूषण वृद्धि के बी ना से इथेनाल उत्पादन की विधि पर वृहद चर्चा की। अनंत लक्ष्मी रंगनाधन, सहायक आचार्य जैव हुये आपरेशन प्रक्रिया में नापन दिवस जल संतुलन के आखिरी वक्ता डॉ. एवं शून्य द्रव रसायन ने रोन बेज्ड आधुनिक आसवनी इकाइयों की कार्यप्रणाली पर वार्ता की। उत्प्रवाह प्रणाली पर बात सुधांशु मोहन, कनिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी (भौतिक रसायनज्ञ) ने अपने सारगर्भित उद्बोधन निकले दूषित जल में न केवल COD, BOD, PH, TSS, TDS तेल व ग्रीस आदि विभिन्न कारकों के निर्धारण की प्रक्रिया परनिर्धारण की विविध विधियों का प्रैक्टिकल भी करवाया।डिक्टरी सेशन (विदाई सत्र) में प्रतिभागियों को प्रमाणपत्र वितरित करते हुये संस्थान के निर्देशक, प्रो.डी. स्वाईन ने कहा कि कराए जाने वाले इस प्रकार के शैक्षणिक आयोजनों से न केवल चीनी मिलें लाभान्वित होंगी अपितु समस्त संबद्ध शर्करा नियंत्रण में उल्लेखनीय सफलता मिलेगी।>डॉ.) सीमा परोहा, प्रशिक्षण कार्यक्रम की समन्वयक ने प्रतिभागियों को धन्यवाद ज्ञापित करते हुये कहा कि राष्ट्रीय शर्करा भविष्य में भी इस प्रकार के उपयोगी कार्यक्रमों के मधासमय आयोजनों हेतु संकल्पबद्ध है।

दैनिक हिन्दुस्तान

एनएसआई: हरदोई की चीनी मिलें देखीं

कानपुर। केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) और राष्ट्रीय शर्करा संस्थान (एनएसआई) के चल रहे प्रशिक्षण के दौरान बुधवार को वैज्ञानिकों ने डीसीएम श्रीराम हलियावां, हरदोई के चीनी और आसवनी इकाई का दौरा किया। इस दौरान चीनी और आसवनी इकाइयों के अपशिष्ट उपचार संयंत्र के संचालन के बारे में जानकारी ली।

Digital News

- चीनी मिल पर विजिट कर आधुनिक तकनीकि को जाना:
- NSI में तीन दिवसीय संगोष्ठी का समापन: कानपुर में वैज्ञानिकों ने आधुनिक तकनीकी और प्रदूषण कम करने के तरीके को समझा
- एनएसआई प्रदूषण पर नियंत्रण के लिए प्रशिक्षण शुरू :, कानपुर न्यूज
- NSI with central and state pollution board three days workshop
- NSI में गन्ना किसानों ने एक्सपोजर सह प्रशिक्षण में उत्पादन के सीखे गुरु
- भारत विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी क्षेत्र में भी विकसित राष्ट्रों की श्रेणी के करीब प्रो. डी. स्वाईन